भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 833
मंगलवार, 27 जुलाई, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली का क्रियान्वयन

833. ले. जनरल (डा.)डी.पी.वल्स (रिटा.):
श्री विजय पाल सिंह तोमर:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(1) क्या सरकार भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली का क्रियान्वयन करने का विचार रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और उक्त परियोजना के कब तक पूर्ण होने की संभावना है;

(2) क्या यह परियोजना आने वाले भूकंप की भविष्यवाणी और भूकंप की प्राथमिक तरंगों को महसूस करने के पश्चात् जीपीआरएस के माध्यम से दूर-दराज के शहरों में डाटा पहुँचाने के संबंध में काम कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(3) क्या भूकंप की प्राथमिक तरंगों को महसूस करने के लिए सभी सुरक्षा विशेषताओं सहित कोई प्रौद्योगिकी उपलब्ध है; और

(4) यदि हां, तो तत्सबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) इस समय, देश में कोई भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली लागू नहीं है। तथापि राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय हिमालय के लिए विशुद्ध रूप से अनुसंधान मोड पर भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना बना रहा है।

(ख) वर्तमान में, विश्व में कहीं भी, कोई प्रामाणिक वैज्ञानिक तकनीक उपलब्ध नहीं है, जिससे स्थान, समय और परिमाण की सटीकता की उचित श्रेणी के साथ भूकंप की घटना कापहले से ही पूर्वानुमान लगाया जा सके। तथापि, भूकंप पूर्व चेतावनी (ईईडब्ल्यू) प्रणाली,भूकंप की प्राथमिक तरंग के आगमन के समय के आधार पर सूचना / चेतावनी जारी करता है। तथापि चेतावनी के लीड टाइम का क्रम कुछ सेकंड का होता है।

(ग) और (घ) जी हाँ। भूकंप की प्राथमिक तरंगों को महसूस करने के लिए उपकरण उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के पास देश में ऐसे उपकरणों के साथ 115 स्टेशनों का नेटवर्क है।